नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

डॉ. ओमप्रकाश भारती बने फिजी में सांस्कृतिक केन्द्र के निदेशक

वर्धा, 30 जुलाई 2018: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के डॉ ओमप्रकाश भारती फिजी में भारत के सांस्कृतिक राजनयिक बनाए गए हैं। बतौर कल्चरल एंबेसडर वह विदेश मंत्रालय के अधीन फिजी के भारतीय दूतावास में इंडियन काउंसिल ऑफ कल्चरल रिलेशन के यूनिट स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक होंगे।

वहां वह वैश्विक परिदृश्य में भारत का सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व करेंगे। भारत सरकार ने उन्हें अगले तीन साल के लिए प्रथम सचिव व भारतीय राजनयिक स्तर के इस पद पर नियुक्त किया है। प्रो. भारती ने बताया कि उन्होंने नई दिल्ली में फीजी के उच्चायुक्त के साथ मीटिंग के दौरान भारतीय राजनयिक का प्रभार लिया। बिहार में सहरसा

जिला के एक छोटे से गांव मनखाही में पांच सितंबर 1968 को जन्में डॉ भारती अब तक महाराष्ट्र के वर्धा स्थित महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में फिल्म एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग के विभागाध्यक्ष थे। लोक कलाविद्, कला इतिहासकार, लेखक व अकादमिशियन प्रो. भारती ने गांव में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद पटना विश्वविद्यालय से नाट्यकला और साहित्य में अलग-अलग पीजी करने के दौरान स्वर्ण पदक प्राप्त किया। वहीं से बिहार की लोक कला नटुआ नाच में पीएचडी पूरी करने के बाद वर्ष 1996 में भारतीय संगीत नाटक अकादमी से अपने कला प्रशासन के कैरियर की शुरुआत की और उसके बाद कई पुस्तकों का लेखन, नाटकों की रचना, कला सम्मान से सम्मानित हुए। कला व संस्कृति के क्षेत्र प्रो. ओमप्रकाश भारती भारती जाने-माने व्यक्तित्व हैं। वह इससे पूर्व संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, कोलकाता के निदेशक रह चुके हैं। साथ ही उत्तर पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, दीमापुर(नागालैंड) और जवाहर लाल नेहरू मणिपुरी नृत्य अकादमी, इंफाल(मणिपुर) में निदेशक रहे। इससे पूर्व संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली में वह उप सचिव (नाट्य) और उपसचिव(लोक एवं जनजातीय कला) के बतौर कार्यरत रहे। इसके अलावे संगीत नाटक अकादमी, पूर्वोत्तर भारत केंद्र, शिलांग(मेघालय) में भी बतौर उपसचिव सेवा दी। डॉ भारती ने, नदियां गाती हैं, बिहार के पारंपरिक नाट्य के साथ-साथ कला, संस्कृति, गीत आदि पर डेढ़ दर्जन से ज्यादा पुस्तकें लिखी हैं। कोसी पर केंद्रित उनकी रचना बांध टूटने दो को मौलिक लेखन के लिए मोहन राकेश सम्मान मिला। इजेडसीसी के निदेशक रहते उन्होंने कोलकाता में आदि विंब वाद्य विथिका संग्रहालय की स्थापना की। इसके अलावा पश्चिम बंगाल के बागडोगरा में हिमालय अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय की भी स्थापना की। उन्हें 2007-08 इंदिरा गांधी राजभाषा सम्मान मिला था। इसके अलावे 2007 में बिलासा लोक साहित्य सम्मान, 2008 में सेरा पंच सम्मान और 2009 में पूर्वोत्तर हिंदी अकादमी सम्मान से नवाजा जा चुका है।